डॉ. पंचारिया के ऊर्जावान नेतृत्व में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा सीरी-डॉ.जाधव

सीरी में सीएसआईआर के 79वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

पिलानी। सीएसआईआर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान पिलानी में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का 79वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। सीएसआईआर-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं के निदेशक डॉ. जितेंद्र जे जाधव समारोह के मुख्य अतिथि थे। सीएसआईआर सीरी के पूर्व पूर्व निदेशक डॉ. शमीम अहमद एवं पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एसएन जोशी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। विगत एक वर्ष के दौरान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए 17 सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के दो सहकर्मियों को उनकी समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

कोविड 19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के कारण इस वर्ष यह कार्यक्रम वर्चुअल इवेंट के रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब और फेसबुक पर भी किया गया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों सहित संस्थान के वर्तमान एवं अनेक पूर्व सहकर्मी व उनके परिजन आदि माइक्रोसॉफ्ट टीम्स एवं यूट्यूब व फेसबुक लिंक के माध्यम से आयोजन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत रूप से सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र जे जाधव ने अपने स्थापना दिवस उदबोधन में सीरी सहित सीएसआईआर के सभी वर्तमान व पूर्व सहकर्मियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने सीएसआईआर-सीरी के तीनों शोध क्षेत्रों, साइबर भौतिक प्रणालियां, स्मार्ट संवेदक और सूक्ष्मतरंग युक्तियां द्वारा किए गए शोध कार्यों की सराहना करते हुए नए एवं उभरते हुए शोध क्षेत्रों की ओर प्रवृत्त होने का परामर्श दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हेल्थ केयर, प्रिसीज़न फार्मिंग आदि क्षेत्रों में शोध एवं विकास की बहुत संभावना है। गैलियम नाइट्राइड के क्षेत्र में भी अपार संभावनाओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि सीरी वर्तमान में गैलियम नाइट्राइड और मेम्स आदि क्षेत्रों में शोधरत है और ये क्षेत्र निश्चित रूप से सीरी को देश में इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में सहायक सिद्ध होंगे।

साथ ही उन्होंने सीरी के वैज्ञानिकों को नए निदेशक डॉ. पंचारिया के मार्गदर्शन में नया रोडमैप तैयार कर नई ऊर्जा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। जिससे वे आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. पंचारिया के ऊर्जावान नेतृत्व में सीएसआईआर-सीरी सफलता के नए

कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. शमीम अहमद पूर्व निदेशक सीएसआईआर सीरी ने संस्थान में बिताए अपने कार्य समय के कुछ संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि आज उन्हें ऐसा अनुभव हो रहा है जैसे वे वापस अपने घर आ पहुंचे हों। उन्होंने सीएसआईआर को अत्यंत गतिमान संगठन बताते हुए कहा कि सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में शोध एवं विकास कार्य का अनुकूल वातावरण है। समयानुकूल निर्णय पर सीएसआईआर मुख्यालय के साथ-साथ मंत्रालय का भी पूर्ण सहयोग मिलता है। उन्होंने कोविड 19 के विरुद्ध सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और मुख्यालय जहां सी एस आईआरके साथ उन्होंने सेवा सम्मान प्राप्त करने वाले सभी सहकर्मियों सहित सभी पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों व अतिथियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी।

युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि वे परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालें और उपलब्ध संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करते हुए राष्ट्र हित में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें।

अंत में उन्होंने संस्थान के सभी पूर्व एवं वर्तमान कर्मचारियों को सीएसआईआर स्थापना दिवस की बधाई दी। अंत में संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुचंदन पाल प्रमुख पीएमईबीडी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का संचालन निधि चतुर्वेदी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं डॉ. अदिति प्रधान वैज्ञानिक ने किया। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया तथा सहकर्मियों एवं कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े अन्य लोगों को अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।

मुझे गर्व मेरा संबंध सीरी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से रहा-डॉ. जोशी

विशिष्ट अतिथि डॉ. एसएन जोशी पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे गर्व है कि मेरा संबंध इस प्रतिष्ठित संस्थान और सीएसआईआर जैसे गौरवमयी संगठन से रहा है। उन्होंने गर्व से कहा कि सीएसआईआर को इसरो और डीआरडीओ जैसे अनेक शोध संगठनों का जनक होने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर की प्रयोगशालाएं विज्ञान एवं इंजीनियरी की अनेक विधाओं में शोध एवं विकास का दायित्व निभा रही हैं। अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने भी पिलानी में बिताए पलों को याद किया तथा सीरी की कार्य संस्कृति और सामाजिक ताने-बाने सराहना की। उन्होंने सीरी के प्रथम निदेशक डॉ. अमरजीत सिंह को संस्थान में इस वातावरण के सृजन और पल्लवन का श्रेय दिया तथा उनके बाद अन्य निदेशकों को इसके पोषण में अपना योगदान देने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने इस अवसर पर शोध परियोजनाओं से जुड़ी कुछ यादों को भी साझा किया।

डॉ. पंचारिया ने भी सभी को बधाई

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम के ऑनलाइन जुड़े सभी सहकर्मियों व स्थानीय शिक्षण संस्थानों एवं अन्य गणमान्य जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह विशेष अवसर है जब सीएसआईआर-सीरी के दो पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक विशिष्ट अतिथि और सीएसआईआर की बैंगलुरू स्थित प्रयोगशाला सीएसआईआर एनएएल के वर्तमान निदेशक मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी के माध्यम से हमारे साथ जुड़े हैं। उन्होंने इस अवसर पर परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख शोध कार्यों का विवरण दिया। उन्होंने कोविड नामक वैश्विक महामारी के संबंध में सीएसआईआर द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि आज परिषद अपनी 37 राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में समर्पित है।

'वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20' का विमोचन

इस अवसर पर सभी अतिथियों के समक्ष वर्चुअल रूप से तथा संस्थान में डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक, डॉ. पीके खन्ना मुख्य वैज्ञानिक एवं डॉ सुचंदन पाल प्रमुख पीएमईबीडी ने संस्थान के 'वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20' का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पीके खन्ना ने सीएसआईआर मुख्यालय की ओर से सम्मानित होने वाले गत वर्ष सेवानिवृत्त हुए सहकर्मियों और 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले सहकर्मियों के नामों की जानकारी दी।